हिंदी व्याकरण मेघना-6

1. भाषा, व्याकरण और लिपि

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. भाषा के लिखने की विधि को कहते हैं–
   (अ) लिखित ☐ (ब) मौखिक ☐
   (स) लिपि ☒3 (द) व्याकरण ☐
2. 14 सितंबर को कौन-सा दिवस मनाया जाता है?
   (अ) बाल दिवस ☐ (ब) मजदूर दिवस ☐
   (स) हिंदी दिवस ☒3 (द) स्वतंत्रता दिवस ☐
3. व्याकरण के अंग हैं–
   (अ) दो ☐ (ब) तीन ☐ (स) चार ☒3 (द) पाँच ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. भाषा अपने विचारों को दूसरों पर प्रकट करने तथा दूसरों के विचारों को आसानी से समझने का माध्यम है।
2. मौखिक तथा लिखित भाषा में निम्न अंतर है–

   मौखिक भाषा– भाषा के जिस रूप द्वारा मनुष्य अपनी बात बोलकर दूसरों तक पहुँचाता है, उसे 'मौखिक भाषा' कहते हैं। इसमें दूसरा व्यक्ति सुनकर बात समझता है। भाषा का यही रूप प्राचीनतम है तथा इसका प्रयोग व्यापक रूप में किया जाता है।

   लिखित भाषा– भाषा के जिस रूप द्वारा व्यक्ति अपनी बात लिखकर दूसरों तक पहुँचाता है, वह 'लिखित भाषा' कहलाती है। इसमें दूसरा व्यक्ति पढ़कर बात समझता है। भाषा का यह रूप मौखिक रूप की अपेक्षा सीमित है।
3. सीमित क्षेत्र में प्रयोग में लाया जाने वाला भाषा का अल्प-विकसित रूप 'बोली' कहलाता है। एक राज्य में अनेक बोलियाँ प्रचलित हो सकती हैं। बोली में साहित्य की रचना प्रायः नहीं होती। अवधी, ब्रज, खड़ी बोली आदि बोलियों में साहित्य की रचना हुई थी, परंतु आगे चलकर केवल खड़ी बोली भाषा का रूप ले पाई, जो वर्तमान समय में हिंदी के नाम से जानी जाती है।
4. व्याकरण के निम्नलिखित चार अंग हैं–
   1. **वर्ण विचार–** इसके अंतर्गत वर्णों के स्वरूप, भेद व प्रकार आदि के बारे में नियमानुसार विचार किया जाता है।
   2. **शब्द विचार–** इसके अंतर्गत शब्दों के स्वरूप, लिंग, वचन आदि के बारे में नियमानुसार विचार किया जाता है।
   3. **पद विचार–** इसके अंतर्गत पद, उसके भेदों तथा रचना आदि का नियमानुसार विचार किया जाता है।

4. **वाक्य विचार–** इसमें वाक्यों की रचना, उसके भेद तथा उसमें प्रयुक्त किए जाने वाले विराम-चिह्नों के बारे में नियमानुसार विचार किया जाता है।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. हिंदी भाषा की लिपि **देवनागरी** है। 2. भाषा को लिखने का ढंग **लिपि** कहलाता है।
3. **हिन्दी** भारत की राजभाषा है। 4. संस्कृत की लिपि **देवनागरी** है।

घ. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (3) तथा गलत के सामने (7) का निशान लगाइए–

1. हम संकेतों के द्वारा अपनी बात दूसरों तक पहुँचा सकते हैं। 7
2. व्याकरण के दो अंग होते हैं। 7
3. शब्द विचार भाषा का एक रूप है। 3
4. हिंदी भारत की राजभाषा है। 3

ङ. भाषा और उसकी लिपि का उचित सुमेल कीजिए–

1. हिंदी	अ. रोमन
2. पंजाबी	ब. बांग्ला
3. उर्दू	स. गुरुमुखी
4. अंग्रेज़ी	द. देवनागरी
5. बंगाली	य. फ़ारसी

च. नीचे दी गई वर्ग-पहेली में सात भाषाओं तथा उनकी लिपियों के नाम छिपे हैं। उन्हें ढूँढकर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखिए–

हिंदी – देवनागरी मराठी – देवनागरी संस्कृत – देवनागरी अंग्रेजी – रोमन
उर्दू – फारसी पंजाबी – गुरुमुखी नेपाली – देवनागरी

छ. निम्नलिखित में भाषा के किस रूप का प्रयोग होता है?

1. समाचार पत्र – **लिखित भाषा** 2. भाषण – **मौखिक भाषा**
3. पत्र – **लिखित भाषा** 4. काव्यपाठ – **लिखित भाषा**
5. टेलीफोन – **मौखिक भाषा**

ज. निम्नलिखित राज्यों में कौन-सी भाषाएँ बोली जाती हैं?

1. असम – **असमिया** 2. महाराष्ट्र – **मराठी**
3. गुजरात – **गुजराती** 4. आंध्रप्रदेश – **तेलुगु**
5. पंजाब – **पंजाबी** 6. राजस्थान – **राजस्थानी**
7. बिहार – **भोजपुरी** 8. केरल – **मलयालम**
9. उत्तर प्रदेश – **हिन्दी** 10. बंगाल – **बांग्ला**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

2. वर्ण विचार

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. वर्ण है–
   (अ) शब्दों का समूह ☐
   (ब) वह ध्वनि जिसके और टुकड़े न किए जा सकें ☒3
   (स) अलग-अलग रंग ☐
   (द) ये सभी ☐
2. स्वर के भेद होते हैं–
   (अ) 3 ☒3 (ब) 2 ☐ (स) 5 ☐ (द) 4 ☐
3. हिंदी में कुल स्वर हैं–
   (अ) 8 ☐ (ब) 9 ☐ (स) 11 ☒3 (द) 7 ☐
4. किस शब्द में र के रूप का सही प्रयोग नहीं हुआ है–
   (अ) कृषि ☐ (ब) परकाश ☒3 (स) वर्षा ☐ (द) प्रकृति ☐
5. शब्दों में प्रयुक्त वर्णों को अलग-अलग करके लिखना कहलाता है–
   (अ) वर्णमाला ☐ (ब) वर्ण के भेद ☐ (स) वर्ण-विच्छेद ☒3 (द) स्वर ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. स्वर और व्यंजन में निम्न अंतर है–
   स्वर–जिन वर्णों का उच्चारण करते समय हमें किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है, वे स्वर कहलाते हैं। इनका उच्चारण करते समय हवा मुँह से बिना रुके बाहर आती है।
   व्यंजन– जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से किया जाता है, वे व्यंजन कहलाते हैं।
2. चार ऐसे शब्द, जिनमें संयुक्त व्यंजनों का प्रयोग हुआ हैं– श्रमिक, क्षत्रिय, त्रिशूल, ज्ञानी
3. **स्वर–** इ, उ, ऊ, ए,ऐ, ओ **व्यंजन–** द, त, ट, ठ, ह, ङ, च, ख, ज, ण
4. जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से किया जाता है, वे व्यंजन कहलाते हैं।
   हिंदी में व्यंजनों की संख्या '35' है। 33 + 2 अतिरिक्त व्यंजन (ड़ तथा ढ़) इसमें सम्मिलित हैं। संयुक्त व्यंजनों को मिलाकर ये '39' होते हैं। व्यंजन के निम्नलिखित तीन भेद हैं–
   1. स्पर्श व्यंजन 2. अंतःस्थ व्यंजन 3. ऊष्म व्यंजन
5. जब स्वर रहित व्यंजन का समान स्वर सहित व्यंजन से मेल होता है, तब वह 'द्वित्व व्यंजन' कहलाता है। जैसे– (न् + न् + अ), (त् + त् + अ), (द् + द् + अ) गन्ना, पत्ता, गद्दा।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. वर्ण भाषा की सबसे **छोटी** इकाई है।
2. वर्णों के क्रमबद्ध समूह को **वर्णमाला** कहते हैं।
3. व्यंजन के उच्चारण में **स्वरों** की सहायता लेनी पड़ती है।
4. स्वर के **तीन** भेद हैं– **ह्रस्व**, **दीर्घ** तथा **प्लुत्** ।
5. **अ** , **इ** , **उ** तथा ऋ ह्रस्व स्वर हैं।

घ. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (3) तथा गलत के सामने (7) का निशान लगाइए–

1. जिन स्वरों के उच्चारण में किसी को पुकारना अथवा जोर से खींचकर बोलना होता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। 3
2. जिन स्वरों के उच्चारण में अपेक्षाकृत कम समय लगता है, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं। 3
3. विसर्ग, स्वर के आगे आता है। 3
4. (ँ) अनुस्वार का चिह्न है। 7
5. स्वर ग्यारह होते हैं। 3

ङ. निम्नलिखित का उचित सुमेल कीजिए–

1. भाषा के रूप	अ. ः
2. स्वर के भेद	ब. वर्ण के
3. स्वर, व्यंजन अंग हैं,	स. ं
4. अनुस्वार का चिह्न है	द. दो
5. विसर्ग का चिह्न है	य. तीन

च. दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

1. तपस्या – **त् + अ + प् + अ + स् + य् + आ**
2. आशीर्वाद – **आ + श् + इ + र् + व् + आ + द + अ**
3. पार्वती – **प् + आ + + र् व् + अ + त् + ई**
4. श्रवण – **श्र् + अ + व् + अ + ण् + अ**
5. विद्यालय – **व् + इ + द्य् + आ + ल् + अ + य् + अ**

छ. निम्नलिखित वर्णों के योग से शब्द निर्माण कीजिए–

1. महात्मा 2. जनवरी 3. स्थान 4. व्यवसाय 5. आलोक

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

3. शब्द रचना

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. शब्द रचना कितने प्रकार से की जाती है?
   (अ) दो ☐ (ब) तीन ☐ (स) चार 3 (द) पाँच ☐
2. शब्द के प्रारंभ में जुड़ते हैं– ☐
   (अ) उपसर्ग 3 (ब) प्रत्यय ☐ (स) समास ☐ (द) ये सभी ☐
3. यथाशक्ति का विग्रह होगा– ☐
   (अ) यथा की शक्ति ☐ (ब) यथा के लिए शक्ति ☐
   (स) शक्ति के अनुसार 3 (द) यथा में शक्ति ☐

4. कृत् प्रत्यय से बनने वाले शब्द ज्ञान कराते हैं–

(अ) संज्ञा का ☐ (ब) कर्ता का ☒ (स) विशेषण का ☐ (द) कारक का ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्दांश शब्दों के अंत में जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन लाकर नए शब्द का निर्माण करते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं। जैसे– फलवाला, अखबारवाला

   उपर्युक्त शब्दों में 'फल व अखबार मूल शब्द में 'वाला' शब्द से जुड़ा है।

2. समास का शाब्दिक अर्थ है– संक्षिप्त करना। जब हम दो या दो से अधिक शब्दों को छोटा करके नए शब्द बनाते हैं, उसे समास कहते हैं; जैसे–

   • घोड़े पर सवार– घुड़सवार
   • चार पैरों का समाहार– चारपाई
   • माता और पिता = माता-पिता
   • गिरि को धारण करने वाले– गिरधर

   उपर्युक्त वाक्यों में घुड़सवार, माता-पिता, गिरिधर शब्द दो या दो से अधिक शब्दों को संक्षिप्त करके बनाए गए हैं। शब्द बनाने की यह प्रक्रिया समास कहलाती है।

3. शब्द से पहले लगकर जो शब्दांश उस शब्द का अर्थ बदल देते हैं या उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं। जैसे–उपवन, उपकार, उपहार

   ये चार प्रकार के होते हैं– संस्कृत, हिंदी, उर्दू, संस्कृत अव्यय।

4. बहुब्रीहि तथा द्वंद्व समास में निम्न अन्तर है–

   बहुब्रीहि समास– 'बहुब्रीहि समास' पूर्वपद और उत्तरपद दोनों मिलकर किसी अन्य पद के बारे में बताते हैं। इसलिए बहुब्रीहि को अन्यपद प्रधान भी कहा जाता है; जैसे– नीलकंठ, चर्तुमुख, गिरिधर, दशानन आदि।

   द्वंद्व समास– 'द्वंद्व समास' में दोनों पद प्रधान होते हैं एवं दोनों पदों के बीच से 'और', 'या', 'अथवा' का लोप हो जाता है; जैसे– भाई-बहन, सुबह-शाम, देश-विदेश, सुख-दुःख आदि।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. **उपसर्ग** शब्दांश होते हैं, शब्द नहीं।
2. उपसर्गों का **स्वतंत्र** प्रयोग नहीं होता है।
3. प्रत्यय के दो भेद होते हैं– **कृत् प्रत्यय** तथा **तद्धित प्रत्यय**।
4. समास का अर्थ होता है– **संक्षिप्त करना**।

घ. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (3) तथा गलत के सामने (7) का निशान लगाइए–

1. कुछ उपसर्गों का प्रयोग करने से पर्यायवाची शब्द बनते हैं। 7
2. समास के आठ भेद होते हैं। 3
3. दोपहर का विग्रह है– दो समय। 7
4. राजा का महल का समस्त पद है– राजकुमार 7

ङ. **निम्नलिखित का उचित सुमेल कीजिए–**

समस्त पद		**समास**
1. आजीवन	अ.	तत्पुरुष
2. दशानन	ब.	कर्मधारय
3. दाल-भात	स.	द्विगु
4. नवरात्रि	द.	अव्ययीभाव
5. नीलकमल	य.	द्वंद्व
6. गंगाजल	र.	बहुब्रीहि

च. **दिए गए उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए–**

1. अज = **अजनबी अजगर** 2. अव = **अवगुण अवकाश**
3. दुर् = **दुर्गम दुर्गति** 4. बद = **बदतमीज बदनाम**
5. स्व = **स्वीकार स्वरूप**

छ. **दिए गए प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए–**

1. आल = **कंगाल बंगाल** 2. हारा = **सर्वहारा लकड़हारा**
3. ड़ी = **पंखड़ी खिचड़ी** 4. कार = **साहित्यकार चित्रकार**
5. ई = **जंगली विदेशी**

ज. **दिए गए समस्त पदों का विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए–**

1. जन्मांध = **जन्म से अन्धा** = **तत्पुरुष समास**
2. गिरिधर = **गिरि को धारण करने वाले** = **बहुब्रीहि समास**
3. रातोंरात = **रात ही रात में** = **अव्ययीभाव समास**
4. शताब्दी = **सौ वर्ष का समय** = **द्विगु समास**
5. राधाकृष्ण = **राधा और कृष्ण** = **द्वंद्व समास**

झ. **दिए गए शब्दों से मूल शब्द और उपसर्ग अलग करके लिखिए–**

शब्द	**मूल शब्द**	**उपसर्ग**	**शब्द**	**मूल शब्द**	**उपसर्ग**
1. कमजोर	**जोर**	**कम**	4. अवगुण	**गुण**	**अव**
2. विजय	**जय**	**वि**	5. सफल	**फल**	**स**
3. प्रधान	**धान**	**प्र**			

ञ. **दिए गए शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए–**

शब्द	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**	**शब्द**	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
1. सामाजिक	**समाज**	**इक**	4. बुढ़ापा		
2. दयालु	**दया**	**आलु**	5. रंगीन		
3. घबराहट	**घबरा**	**आहट**			

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

4. संधि

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. संधि किसे कहते हैं?
   (अ) वर्णों के पारस्परिक मेल को [3] (ब) वर्ण-विच्छेद को [ ]
   (स) वर्णों के विकार को [ ] (द) वर्ण को [ ]
2. संधि के कितने भेद होते हैं?
   (अ) दीर्घ, गुण और स्वर संधि [ ] (ब) विसर्ग, यण और अयादि संधि [ ]
   (स) वृद्धि, यण और व्यंजन संधि [ ] (द) स्वर, व्यंजन और विसर्ग संधि [3]
3. स्वर संधि के कितने भेद होते हैं?
   (अ) पाँच [3] (ब) सात [ ] (स) चार [ ] (द) दो [ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. दो ध्वनियों या वर्णों के मेल से जो विकार अथवा परिवर्तन होता है, उसे संधि कहते हैं।
2. संधि के तीन भेद होते हैं–
   1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि
3. दो निकटतम स्वरों के मिलने से ध्वनि में जो परिवर्तन होता है, उसे 'स्वर संधि' कहते हैं।
   स्वर संधि के प्रकार–1. दीर्घ सन्धि, 2. गुण सन्धि, 3. वृद्धि सन्धि, 4. यण सन्धि, 5. अयादि सन्धि।
4. विच्छेद का अर्थ है अलग करना। दो वर्णों के मेल से बने नए शब्द को पूर्व स्थिति में लाना 'संधि-विच्छेद' कहलाता है; जैसे–
   • महात्मा = महा + आत्मा • धर्मात्मा = धर्म + आत्मा

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. अ/आ के बाद ऋ आए तो संधि होने पर नई ध्वनि बनती है– '**अर**'।
2. **व्यंजन** का **व्यंजन** अथवा स्वर से मेल होता है।
3. **विसर्ग** के साथ स्वर या व्यंजन का मेल होने से नए विकार होते हैं।
4. स्वर संधि के **पाँच** भेद होते हैं।

घ. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (3) तथा गलत के सामने (7) का निशान लगाइए–

1. निर्मल = निर + मल [7]
2. निष्कलंक = निः + कलंक [3]
3. सूक्ति = सू + उक्ति [7]
4. उज्जवल = उत् + ज्वल [3]
5. संतान = सन् + तान [3]
6. परमानंद = परम + आनंद [3]
7. अत्यधिक = अति + अधिक [3]

ङ. निम्नलिखित का उचित सुमेल कीजिए–

समस्त पद		समास
1. भावार्थ	अ.	सोम + ईश
2. सीमांत	ब.	हस्ति + दंत
3. सोमेश	स.	राज + आज्ञा
4. जगदीश	द.	भाव + अर्थ
5. निष्फल	य.	दिक् + गज
6. हस्तिदंत	र.	सीमा + अंत
5. राजाज्ञा	ल.	जगत् + ईश
6. दिग्गज	व.	निः + फल

च. निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए–

शब्द	संधि-विच्छेद	शब्द	संधि-विच्छेद
1. एकैक =	**एक + एक**	2. जगदीश =	**जगत् + ईश**
3. गायक =	**गै + अक**	4. स्वागत =	**सु + आगत**
5. पित्रनुमति =	**पितृ + अनुमति**		

छ. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए–

1. महा	+ ओज	–	**महौज**	2. अति	+ अंत	–	**अत्यंत**
3. अतः	+ एव	–	**अतैव**	4. निः	+ रस	–	**नीरस**
5. देवी	+ अर्पण	–	**देव्यर्पण**	6. राज	+ इंद्र	–	**राजेन्द्र**

ज. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद पर गोला बनाइए–

1. गायक =	गा + यक,	(गै + अक,)	ग + आयक
2. निर्मल =	(निः + मल,)	नि + मल,	निं + मल
3. महेश =	महे + ईश,	महा + इश,	महा + ईश
4. सदैव =	सद + एव,	(सदा + एव,)	स + दैव
5. प्रतीक्षा =	प्रती + क्षा,	(प्रति + ईक्षा,)	प्र + तीक्षा

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

5. शब्द-भेद

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के कितने भेद होते हैं?
   (अ) तीन ☐ (ब) दो ☐ (स) पाँच ☐ (द) चार [3]
2. इनमें कौन-सा शब्द तद्भव नहीं है?
   (अ) ख्याति [3] (ब) अपयश ☐ (स) बदनामी ☐ (द) यश ☐
3. कौन-सा शब्द सूर्य का पर्याय नहीं है?
   (अ) रवि ☐ (ब) दिनकर ☐ (स) मयंक [3] (द) भास्कर ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. दो या दो से अधिक वर्णों के समूह, जिनसे किसी-न-किसी अर्थ का बोध होता है, शब्द कहलाते हैं।
2. शब्दों को चार वर्गों में बाँटा गया है–
   1. अर्थ के आधार पर 2. उत्पत्ति के आधार पर
   3. संरचना के आधार पर 4. प्रयोग के आधार पर
3. **(अ) सार्थक–** वे शब्द जिनका कोई अर्थ निकलता है, 'सार्थक' शब्द कहलाते हैं; जैसे– पानी, रास्ता, गुलाब, मकान आदि।
   निरर्थक शब्द– वर्णों के मेल से बने ऐसे शब्द जिनका कोई अर्थ नहीं निकलता, वे 'निरर्थक' शब्द कहलाते हैं; जैसे– हुड़-हुड़, चसम, टग बग, राहग आदि।
   (ब) शब्द– दो या दो से अधिक वर्णों से मिलकर बनने वाली वे सार्थक ध्वनियाँ निजका अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है, शब्द कहलाती हैं; जैसे–कृष्ण, अलमारी, शेर आदि।
   पद– जब शब्दों का प्रयोग वाक्य में किया जाता है, तब वे पद कहलाते हैं।
4. संरचना के आधार पर– संरचना के आधार पर शब्द के तीन भेद होते हैं–
   1. रूढ़ 2. यौगिक 3. योगरूढ़।
   1. रूढ़– वे शब्द जो किसी अन्य शब्द के योग से न बने हों और उनके खंड करने पर कोई अर्थ न निकलता हो,'रूढ़' शब्द कहलाते हैं; जैसे– पानी = पा + नी, कमल = क + म + ल, घर = घ + र।
   2. यौगिक– योग का अर्थ है – जोड़ना या मिलाना। जो शब्द अन्य शब्दों के जोड़ने से बनते हैं, वे 'यौगिक' शब्द कहलाते हैं; जैसे– स्नानघर = स्नान + घर, राजपुत्र = राज + पुत्र।
   3. योगरूढ़– वे शब्द जो यौगिक (दो शब्दों का योग) होते हुए भी किसी विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, 'योगरूढ़' शब्द कहलाते हैं; जैसे–

शब्द		शब्दों का योग				विशेष अर्थ
दशानन	=	दश	+	आनन	=	रावण
गजानन	=	गज	+	आनन	=	गणेश
पीतांबर	=	पीत	+	अंबर	=	कृष्ण

5. उत्पत्ति के आधार पर– उत्पत्ति के आधार पर शब्द के चार भेद होते हैं–
   1. तत्सम् शब्द, 2. तद्भव शब्द 3. देशज शब्द 4. विदेशी शब्द।
   1. तत्सम्– जिन शब्दों को संस्कृत से हिंदी में ज्यों-का-त्यों अर्थात् उसी रूप में बिना परिवर्तन के प्रयोग में लाया जाता है, वे शब्द 'तत्सम' कहलाते हैं; जैसे– घृत, अग्नि, माता, भवन, श्वास, कर्ण आदि।
   2. तद्भव– जिन शब्दों का रूप संस्कृत से हिंदी में प्रयोग करते समय परिवर्तित कर दिया जाता है, वे शब्द 'तद्भव' कहलाते हैं; जैसे–घी, आग, माँ, साँस आदि।
   3. देशज– इस प्रकार के शब्द जो हिंदी के निजी शब्द हैं तथा लोक भाषाओं में परिस्थितियों व आवश्यकता के कारण अपना लिए गए हैं, उन्हें 'देशज'शब्द कहते हैं;जैसे– बिल्ली, गाड़ी, सड़क, लकड़ी आदि।

4. विदेशी– जो शब्द हिंदी में अन्य भाषाओं से विदेशी लोगों के संपर्क के कारण प्रयोग होने लगे हैं। 'विदेशी' शब्द कहे जाते हैं; जैसे–

अंग्रेज़ी – ट्रेन, डॉक्टर, मशीन, स्टेशन आदि।

अरबी – मतलब, नकल, एहसान, किताब आदि।

फ़ारसी– अफ़सोस, आसमान, सरदार, जमीन, नमक आदि।

पुर्तगाली – बाल्टी, तंबाकू, फीता, चाबी आदि।

6. प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद होते हैं– 1. विकारी शब्द 2. अविकारी शब्द

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. जिन शब्दों के अर्थ में समानता हो, उन्हें **पर्यायवाची** कहते हैं।
2. एक से अधिक अर्थों वाले शब्द **अनेकार्थी** कहलाते हैं।
3. विपरीत भाव प्रकट करने वाले शब्दों को **विलोम** कहते हैं।
4. जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण परिवर्तन आ जाता है, उन्हें **विकारी** शब्द कहते हैं।

घ. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (3) तथा गलत के सामने (7) का निशान लगाइए–

1. किसी भी भाषा के वे मूलशब्द जो वाक्य में ज्यों-के-त्यों प्रयुक्त होते हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं। [7]
2. 'कागज़' शब्द विदेशी है। [3]
3. 'दाँत' शब्द तद्भव है। [3]
4. विलोम शब्द प्रायः एकदम ठीक अर्थ व्यक्त न करके मिलते-जुलते अर्थ व्यक्त करते हैं। [7]

ङ. निम्नलिखित का उचित सुमेल कीजिए–

समस्त पद	समास
1. स्टेशन	अ. तत्सम शब्द
2. कमल	ब. तद्भव शब्द
3. दंत	स. देशज शब्द
4. चतुर्भुज	द. विदेशी शब्द
5. आम	य. यौगिक शब्द
6. डिबिया	र. रूढ़ शब्द
7. रसोईघर	ल. योगरूढ़ शब्द

च. निम्नलिखित शब्दों में से रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द अलग-अलग छाँटकर लिखिए–

रूढ़– जलज, पर्वत, शिक्षक, कक्षा, चन्द्रमा

यौगिक– रसोईघर, सब्जीवाला, सहपाठी

योगरूढ़– दशानन, नीलकंठ, हिमालय, गृहकार्य

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

6. पर्यायवाची शब्द

क. सही पर्यायवाची शब्द पर (3) का चिह्न लगाइए–

1.	पवन	–	दामिनी	☐	हवा	☒	समुद्र	☐
2.	मनुष्य	–	सर्प	☐	मेघ	☐	मनुज	☒
3.	सेवक	–	नौकर	☒	जग	☐	नृप	☐
4.	शेर	–	दास	☐	केसरी	☒	तन	☐
5.	सोना	–	कंचन	☐	वनराज	☐	सखा	☐
6.	मेघ	–	भृंग	☐	घन	☒	हस्ती	☐
7.	बिजली	–	सूर्य	☐	देह	☐	चंचला	☒

ख. इन शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

असुर	–	**दानव**	**दैत्य**	**राक्षस**
संसार	–	**विश्व**	**जग**	**लोक**
अश्व	–	**हय**	**घोड़ा**	**तुरंग**
इच्छा	–	**कामना**	**अभिलाषा**	**आकांक्षा**
प्रसन्नता	–	**खुशी**	**हर्ष**	**आनंद**
पत्थर	–	**प्रस्तर**	**पाषाण**	**शिला**
किनारा	–	**तट**	**कूल**	**कगार**

7. विलोम शब्द

क. सही विलोम शब्द पर (3) का चिह्न लगाइए–

1.	अल्पायु	–	शोक	☐	परतंत्र	☐	दीर्घायु	☒	समर्थन	☐
2.	प्रलय	–	सृष्टि	☐	निर्माण	☒	विदेशी	☐	अक्षम्य	☐
3.	मलिन	–	पतझड़	☐	अज्ञानी	☐	भलाई	☐	निर्मल	☒
4.	कायर	–	निर्दय	☐	वीर	☒	अशिष्ट	☐	घृणा	☐
5.	आरोह	–	भक्षक	☐	अपमान	☐	अवरोह	☒	अनश्वर	☐

ख. वाक्य में आए रेखांकित शब्द का उपयुक्त विलोम शब्द रिक्त स्थान में भरिए–

1. कुछ लोगों ने कार्यक्रम की <u>निंदा</u> की तो कुछ ने **प्रशंसा** ।
2. तुम्हें <u>पुरस्कार</u> के साथ **दण्ड** भी मिलेगा।
3. देखने में खरगोश <u>चुस्त</u> था और कछुआ **सुस्त** ।
4. रात के <u>अँधेरे</u> के बाद दिन का **उजाला** तो होता है।
5. <u>वीर</u> पुरुष **कायरों** की भाँति व्यवहार नहीं करते।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

8. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

क. वाक्यांशों के लिए सही एक शब्द पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. कम खर्च करने वाला–
   (अ) खर्चीला ☐ (ब) मितव्ययी ☒ (स) ग्राहक ☐ (द) मृदुभाषी ☐
2. सत्य बोलने वाला–
   (अ) लालची ☐ (ब) सत्यवादी ☒ (स) अदृश्य ☐ (द) अनुपम ☐
3. ईश्वर में विश्वास रखने वाला–
   (अ) नास्तिक ☐ (ब) वास्तविक ☐ (स) अवास्तविक ☐ (द) आस्तिक ☒
4. जिसकी उपमा न हो–
   (अ) अनुपम ☒ (ब) अद्वितीय ☐ (स) अधीर ☐ (द) ये सभी ☐
5. जो क्षमा न किया जा सके–
   (अ) अग्रज ☐ (ब) क्षम्य ☐
   (स) अक्षम्य ☒ (द) इनमें से कोई नहीं ☐

ख. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

नष्ट होने वाला	—	**नश्वर**	जल में रहने वाला	—	**जलचर**
हाथ से लिखा हुआ	—	**हस्तलिखित**	वर्ष में होने वाला	—	**वार्षिक**
जो पढ़ा जा सके	—	**पठनीय**	जो दिखाई न दे	—	**अदृश्य**
सत्य बोलने वाला	—	**सत्यवादी**	बड़ा भाई	—	**अग्रज**
आशा करने वाला	—	**आशावादी**	जो सगा भाई हो	—	**सहोदर**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

9. श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्द

क. सही विकल्प पर (3) का चिह्न लगाइए–

1.	खज़ाना	–	कोष	☒	कोश	☐	2.	चतुर	–	चालक ☐	चालाक ☒
3.	शीघ्र	–	अविलंब	☒	अवलंब	☐	4.	घोंसला	–	पानी ☐	नीड़ ☒
5.	कंधा	–	अंस	☒	अंश	☐	6.	उद्देश्य	–	लक्ष ☐	लक्ष्य ☒

ख. रेखांकित श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्दों का सही प्रयोग करके वाक्य दोबारा लिखिए–

1. कृपया शरीर का कोई **अंग** बाहर नहीं निकालें।
2. रमेश बाज़ार की **ओर** गया है।
3. विजय को गाड़ी चलाने का बहुत **शौक** है।
4. **तुरंग** तेज दौड़ रहा था।
5. सौम्या ज़ोर से **हँस** रही थी।

ग. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. चिड़िया ने अपना **नीड़** बनाया।
   नदी का **नील** निर्मल था।
2. **दिन** में तेज़ बारिश हुई।
   हमें **दीन** व्यक्तियों की सहायता करनी चाहिए।
3. मुझे **जरा** सा दूध पीना है।
   ज़रा अवस्था में व्यक्ति कमज़ोर हो जाता है।
4. सचिन **निश्चिंत** होकर सो रहा था।
   आरती ने **निश्चत** समय पर कार्य पूरा किया।
5. विवेक ने अपना **लक्ष्य** तय कर लिया है।
   वंशिका ने **लक्ष** की चूड़ी पहनी है।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

10. अनेकार्थक शब्द

क. नीचे दिए गए शब्दों में अनुपयुक्त अर्थ छाँटिए और उस पर (◯) गोला लगाइए–

शून्य	–	बिंदु	खाली	(कोयल)
अर्थ	–	धन	(कानून)	मतलब
सारंग	–	शोभा	मोर	(सर्प)
लाल	–	(बिंदु)	बेटा	बच्चा
काल	–	मृत्यु	(मशीन)	समय
बल	–	शक्ति	सेना	(सर्प)
पूर्व	–	दिशा	पहले	(निकट)
पानी	–	(रीति)	जल	कांति
विधि	–	कानून	(सम्मान)	रीति
कुल	–	(बेटा)	वंश	सारा

ख. नीचे दिए शब्दों के तीन-तीन अर्थ लिखिए–

अंक	–	**गोद**	**संख्या**	**नंबर**	हरि	–	**विष्णु**	**घोड़ा**	**सर्प**
मधु	–	**मीठा**	**शहद**	**शराब**	भाग	–	**हिस्सा**	**भाग्य**	**गणित का भाग**
श्री	–	**शोभा**	**लक्ष्मी**	**संपदा**	मान	–	**आदर**	**सम्मान**	**नाप-तौल**

भूत –	**प्राणी**	**बीता समय**	**प्रेत**	कनक –	**सोना**	**गेहूँ**	**धतूरा**
काल –	**समय**	**मृत्यु**	**यमराज**	कर –	**हाथ**	**किरण**	**टैक्स**

क्रियाकलाप

- **वाक्य के अनुसार शब्द के अर्थ को पहचानिए और (3) का चिह्न लगाइए–**

1. खेतों में कनक की बालें लहलहाने लगीं।	[ ] सोना	[3] गेहूँ	[ ] धतूरा
2. सेठ जी ने कर का भुगतान कर दिया था।	[ ] हाथ	[3] टैक्स	[ ] किरण
3. उसने अपना जीवन शून्य से शुरू किया था।	[ ] आकाश	[ ] खाली	[3] बिंदु
4. आकाश में काले घने घन छा गए।	[3] बादल	[ ] हथौड़ा	[ ] धन
5. उसके भाग में जो लिखा था वही मिला।	[3] भाग्य	[ ] गणित का भाग	[ ] प्रश्न

11. एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द

क. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. विश्वनाथ की **आयु** बढ़ती जा रही थी।
2. वे अपने **पाप** की गठरी गंगा में बहा आए।
3. पीठ पीछे **निंदा** एक घृणित कार्य है।
4. चाचा ने अपने पुत्र के विवाह का **निमंत्रण** पत्र भेजा था।
5. संन्यासी अपने समूह के साथ **भ्रमण** के लिए निकल पड़े।

ख. इन शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए–

शब्द	अर्थ
1. स्त्री	अ. गुण-दोष प्रकट करना
2. अनुमति	ब. जानकारी देना
3. मौन	स. कीमती
4. बहुमूल्य	द. नारी
5. ज्ञान	य. किसी कार्य के लिए सहमति
6. आलोचना	र. चुप रहना

क्रियाकलाप

- **इन शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए जिससे इनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ–**

1. ज्ञान – **उसे गणित विषय का ज्ञान है।**
   विवेक – **हमें अपने कार्य बुद्धि विवेक से करने चाहिए।**
2. आदेश – **शिक्षक ने छात्र को पढ़ने का आदेश दिया।**
   आज्ञा – **पिता ने बेटे को घर जाने की आज्ञा दी।**
3. परिश्रम – **परिश्रम सफलता की कुंजी है।**
   श्रम – **वह शारीरिक श्रम करता है।**

4. अस्त्र – **महाराणा प्रताप अस्त्र चलाने में कुशल थे।**

शस्त्र – **अर्जुन ने युद्ध में शस्त्र का प्रयोग किया।**

5. ईर्ष्या – **सोहन दूसरे व्यक्ति की कामयाबी से ईर्ष्या करता है।**

स्पर्धा – **महेश अपने सहपाठी के साथ स्पर्धा करता है।**

6. उत्साह – **राघव के अंदर कार्य को करने का उत्साह है।**

साहस – **रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के साथ युद्ध में अदम्य साहस का परिचय दिया।**

12. संज्ञा

क. रेखांकित संज्ञा के भेद छाँटकर सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. एवरेस्ट नेपाल की सीमा में है।
   (अ) व्यक्तिवाचक [3] (ब) भाववाचक [ ] (स) जातिवाचक [ ] (द) समूहवाचक [ ]
2. क्रोध मनुष्य का शत्रु है।
   (अ) जातिवाचक [ ] (ब) व्यक्तिवाचक [ ] (स) द्रव्यवाचक [ ] (द) भाववाचक [3]
3. कक्षा में बच्चे पढ़ रहे हैं।
   (अ) जातिवाचक [3] (ब) भाववाचक [ ] (स) व्यक्तिवाचक [ ] (द) समूहवाचक [ ]
4. झुंड में चलना भेड़ों का काम है।
   (अ) समूहवाचक [3] (ब) द्रव्यवाचक [ ] (स) भाववाचक [ ] (द) जातिवाचक [ ]
5. सोना कीमती धातु है।
   (अ) द्रव्यवाचक [3] (ब) जातिवाचक [ ] (स) समूहवाचक [ ] (द) व्यक्तिवाचक [ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. किसी वस्तु, व्यक्ति , स्थान व भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
   संज्ञा के तीन भेद होते हैं– 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा
2. **व्यक्तिवाचक संज्ञा–** जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध हो, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है। जैसे–

   • कुतुबमीनार दिल्ली में हैं। • सुभाषचंद्र बोस क्रांतिकारी थे। • रामायण पवित्र ग्रंथ है।

   उपर्युक्त वाक्यों में कुतुबमीनार विशेष इमारत का, दिल्ली विशेष स्थान का, सुभाषचंद्र बोस विशेष प्राणी तथा रामायण विशेष पुस्तक का नाम है।

   जातिवाचक संज्ञा– जिस संज्ञा शब्द से किसी संपूर्ण जाति का बोध हो, उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं। जैसे–

   • फल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। • किसान अन्नदाता है। • बच्चे खेल रहे हैं।

   उपर्युक्त वाक्यों में फल, किसान, बच्चे शब्द किसी विशेष प्राणी, स्थान, वस्तु का बोध न कराकर उनकी संपूर्ण जाति का बोध करा रहे हैं। ये सभी जातिवाचक संज्ञा हैं।
3. जिन संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु के गुण, दोष, दशा या अवस्था आदि का बोध होता है, उसे 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं। जैसे–

• सर्दी के कारण ठिठुरन बढ़ गई है। • बुढ़ापा बहुत बुरा होता है। • उसकी सुंदरता अद्वितीय है।
उपर्युक्त वाक्यों में 'सर्दी', 'ठिठुरन', 'बुढ़ापा', 'सुंदरता' आदि शब्द भाव, अवस्था तथा गुण का बोध करा रहे हैं। हम केवल इन भावों का अनुभव ही कर सकते हैं। इस कारण इन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

4. **द्रव्यवाचक संज्ञा–** जिन द्रव्यों, धातुओं से अन्य वस्तुओं का निर्माण होता है अथवा जो संज्ञा शब्द द्रव्य अथवा धातुओं के नाम का बोध कराते हैं, वे द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे– सोना, गेहूँ, लोहा, चाँदी, दूध आदि।
• दालें प्रोटीन की अच्छी स्रोत हैं। • माँ ने सारा खाना घी में बनाया है।
उपर्युक्त वाक्यों में 'दालें' तथा 'घी' पदार्थ तथा द्रव्य का बोध करा रहे हैं। अतः इन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।

समूहवाचक संज्ञा– जिन शब्दों से वस्तुओं अथवा प्राणियों के समूह का बोध होता है, उसे 'समूहवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे– भीड़, कक्षा, सभा, मंडली आदि।
• अंगूर का गुच्छा देखकर उसके मुँह में पानी आ गया।
• दुर्घटना स्थल पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई थी।
उपर्युक्त वाक्यों में 'गुच्छा' तथा 'भीड़' शब्द किसी एक प्राणी अथवा व्यक्ति के विषय में नहीं बता रहे हैं, बल्कि वे अंगूर तथा लोगों के पूरे समूह का बोध करा रहे हैं।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कोष्ठक में दिए गए उचित संज्ञा शब्द से कीजिए–

1. जून के महीने में **गर्मी** होती है।
2. चल-चलकर मुझे तो बहुत **थकान** महसूस हो रही है।
3. परशुराम क्रोध में अपना **आपा** खो बैठते थे।
4. कनिष्कांत **पढ़ाई** करके खेलने गया।
5. कुतुबमीनार **दिल्ली** शहर में है।

घ. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (3) तथा गलत के सामने (7) का चिह्न लगाइए–

1. बचपन, भलाई भाववाचक संज्ञा हैं। [3]
2. 'शिवाजी वीर सेनानी थे।' में शिवाजी समूहवाचक संज्ञा है। [7]
3. लड़के पढ़ रहे हैं– इसमें जातिवाचक संज्ञा है। [3]
4. मिट्टी के बर्तन बन रहे हैं– इसमें द्रव्यवाचक संज्ञा है। [3]

ङ. निम्नलिखित का उचित सुमेल कीजिए–

1. द्रव्यवाचक	अ. सच्चाई
2. जातिवाचक	ब. बाजार
3. भाववाचक	स. श्री नरेन्द्र मोदी
4. समूहवाचक	द. स्टेनलेस स्टील
5. व्यक्तिवाचक	य. लड़की

च. निम्नलिखित शब्दों से व्यक्तिवाचक तथा जातिवाचक संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए–

व्यक्तिवाचक संज्ञा– महात्मा गाँधी, हिमालय, रंजना, बाबा रामदेव, पटना।

जातिवाचक संज्ञा– विद्यार्थी, साधु, कलम, बालिका, अमीर, कछुआ, शहर।

स्वयं करें।

13. लिंग

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. लिंग के भेद हैं–
   (अ) एक ☐ (ब) दो ☒ (स) तीन ☐ (द) चार ☐
2. 'लाला' शब्द है–
   (अ) पुल्लिंग ☒ (ब) स्त्रीलिंग ☐ (स) दोनों ☐ (द) कोई नहीं ☐
3. 'विद्वान' शब्द का स्त्रीलिंग है–
   (अ) विदूषी ☐ (ब) विदुषी ☒ (स) विद्वानी ☐ (द) विद्यात्री ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति या स्त्री जाति का बोध होता है, उसे 'लिंग' कहते हैं।
   • छात्र पढ़ रहा है। • छात्रा पत्र लिख रही है।
   • बैल घास खा रहा है। • गाय पानी पी रही है।
   उपर्युक्त शब्द 'छात्र' और 'बैल' पुरुष जाति का बोध करा रहे हैं तथा 'छात्रा' व 'गाय' स्त्री जाति का। स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्दों को लिंग कहा जाता है।
2. लिंग के दो भेद के होते हैं–
   1. **पुल्लिंग–** जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं।
      • बंदर केला खा रहा है। • छात्र पढ़ रहा है।
      • ग्वाला दूध ले जा रहा है। • घोड़ा दौड़ रहा है।
   उपर्युक्त वाक्यों में आए 'बंदर', 'छात्र', 'ग्वाला' तथा 'घोड़ा' शब्द पुरुषसूचक हैं, इसलिये ये पुल्लिंग हैं।
   2. **स्त्रीलिंग–** जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।
      • सेठानी पलंग पर बैठी है। • मालिन पौधे सीच रही हैं।
      • बंदरिया नाच रही है। • अध्यापिका पढ़ा रही है।
   उपर्युक्त वाक्यों में आए 'सेठानी', 'मालिन','बंदरिया', 'अध्यापिका' शब्द स्त्रीसूचक हैं, इसलिए ये स्त्रीलिंग हैं।

ग. रंगीन शब्दों के लिंग परिवर्तन करते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. मालिक ने **नौकर** को आवाज लगाई।
2. नायक के साथ **नायिका** को भी पुरस्कार मिला।
3. दादा जी ने वर-**वधु** को आशीर्वाद दिया।
4. नौकर चला गया बस **नौकरानी** काम कर रही है।
5. हाथी **हथिनी** के साथ जंगल की ओर चला गया।

घ. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (3) तथा गलत के सामने (7) का चिह्न लगाइए–

1. गाय का पुल्लिंग बैल होता है। [3]
2. लिपियों के नाम सदा पुल्लिंग होते हैं। [7]
3. करुणा स्त्रीलिंग शब्द है। [3]
4. इंजीनियर शब्द का प्रयोग केवल पुल्लिंग रूप में होता है। [7]
5. कवयित्री शब्द कवि का स्त्रीलिंग रूप है। [3]

ङ. निम्नलिखित शब्दों का उचित सुमेल कीजिए–

1. पिता	स. माता
2. कवि	ब. कवयित्री
3. सम्राट	अ. सम्राज्ञी
4. वृद्ध	स. वृद्धा
5. दर्ज़ी	ब. दर्ज़िन

च. निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए –

1. श्रीमान – **श्रीमती** 2. लेखक – **लेखिका** 3. देवर – **देवरानी**
4. पति – **पत्नी** 5. दर्शक – **दर्शिका** 6. इंद्र – **इंद्राणी**

छ. निम्नलिखित शब्दों के लिंग उनके सामने लिखिए –

1. श्रीमती – **स्त्रीलिंग** 2. स्वामी – **पुल्लिंग** 3. गायक – **पुल्लिंग**
4. सेविका – **स्त्रीलिंग** 5. गुणवान – **पुल्लिंग** 6. पत्नी – **स्त्रीलिंग**

ज. निम्नलिखित प्रत्यय जोड़कर चार-चार स्त्रीलिंग शब्द बनाइए–

(नी) प्रत्यय जोड़कर– रानी, सेठानी, नानी, दानी।

(इन) प्रत्यय जोड़कर– पुजारिन, नागिन, मालकिन, मालिन।

झ. निम्नलिखित शब्दों को स्त्रीलिंग में बदलिए–

1. विधुर – **विधवा** 2. विद्वान – **विदुषी** 3. पति – **पत्नी**
4. श्रीमान – **श्रीमती** 5. पाठक – **पाठिका** 6. संयोजक – **संयोजिका**

ञ. रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर वाक्यों को दोबारा लिखिए–

1. इस कविता की रचयिता बहुत विदुषी है।
2. हमारी शिक्षिका महोदया अत्यंत बुद्धिमान हैं।
3. फिल्म की नायिका एक नयी अभिनेत्री है।
4. बेटी, यह पुस्तक उस मेज पर रख दो।
5. इस छात्रा ने एक वृद्धा को बैठने की जगह दे दी।

क्रियाकलाप

- **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए–**

1. फोन बज रहा है।
2. हिमालय पर्वत खड़ा है।
2. तेज हवा से छाता उड़ गया।
4. माता जी ने पुस्तक पढ़ी।

14. वचन

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. 'व्यथा' का बहुवचन है–
   (अ) व्यथित ☐ (ब) व्यथाओं ☐ (स) व्यथाएँ ☒3 (द) कोई नहीं ☐
2. 'राजा' का बहुवचन है–
   (अ) राजे ☐ (ब) राजाओं ☒3 (स) राजा ☐ (द) राजें ☐
3. 'नदी' का बहुवचन है–
   (अ) नदिएँ ☐ (ब) नदियाँ ☒3 (स) नदियों ☐ (द) कोई नहीं ☐
4. 'लोटा' का बहुवचन है–
   (अ) लोटाओ ☐ (ब) लोटो ☐ (स) लोटे ☒3 (द) लोटें ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का पता चले, वह एकवचन कहलाता है। जैसे– बंदर केला खा रहा है, मैं कल मुम्बई जाऊँगी, बाग में फूल खिला है, मेरा बस्ता बहुत बड़ा है।
2. शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का पता चले, वह बहुवचन कहलाता है। जैसे– बंदर 'केले' खा रहे हैं। 'हम' कल मुंबई जाएँगे। 'बागों में फूल खिले हैं। हमारे 'बस्ते' बहुत बड़े हैं।

ग. निम्नलिखित वाक्यों के सामने कोष्ठक से शब्द का उचित रूप भकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. कुछ **बच्चों** ने खाना नहीं खाया। (बच्चा)
2. इस वृक्ष की **पत्तियाँ** बहुत सुंदर हैं। (पत्ती)
3. इन **पुस्तकों** को वहाँ रख दो। (पुस्तक)
4. मैंने कुछ **पत्र** लिखे। (पत्रों)
5. **वृक्षों** पर अनेक **चिड़ियाँ** बैठी हैं। (वृक्ष, चिड़िया)

घ. निम्नलिखित शब्दों का उचित सुमेल कीजिए–

1. चुहिया	अ. चिड़ियाँ
2. चींटी	ब. गौएँ
3. गौ	स. चुहियाँ
4. चिड़िया	द. चींटियाँ

क्रियाकलाप

- **निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–**

शब्द	बहुवचन	शब्द	बहुवचन
1. माला –	**मालाएँ**	2. शाखा –	**शाखाएँ**
3. लकड़ी –	**लकड़ियाँ**	4. बुढ़िया –	**बुढ़ियाँ**

15. कारक

क. निम्नलिखित वाक्यों में कारक को रेखांकित कीजिए तथा उसके उचित भेद पर (3) का चिह्न लगाइए–

1.	राधा ने बाँसुरी ले ली।	कर्ता कारक	[3]	कर्म कारक	[ ]	अधिकरण कारक	[ ]
2.	कृष्ण का गाँव दूर था।	करण कारक	[ ]	संबोधन कारक	[ ]	संबंध कारक	[3]
3.	रीमा पेंसिल से चित्र बनाती है।	करण कारक	[3]	अपादान कारक	[ ]	कर्म कारक	[ ]
4.	पेड़ से पत्ते गिर रहे हैं।	करण कारक	[ ]	अपादान कारक	[3]	कर्ता कारक	[ ]
5.	वह धरती पर गिर पड़ा।	कर्ता कारक	[ ]	अपादान कारक	[ ]	अधिकरण कारक	[3]
6.	हे राम! कहकर गाँधी जी चल बसे!	संबोधन कारक	[3]	संबंध कारक	[ ]	कर्म कारक	[ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. कारक आठ प्रकार के होते भेद हैं–
   1. कर्ता कारक 2. कर्म कारक 3. करण कारक 4. संप्रदान कारक
   5. अपादान कारक 6. संबंधबोधक कारक 7. अधिकरण कारक 8. संबोधन कारक
2. कर्ता कारक की विभक्ति का प्रयोग वर्तमान काल और भविष्यत् काल में नहीं होता है।
3. कारक कर्ता का कर्म से संबंध जोड़ता है।

ग. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित परासर्ग से कीजिए–

1. पिता जी बच्चों **के लिए** टॉफी लाए।
2. सैनिक घोड़े **पर** सवार हैं।
3. राधा छोटू **को** बुलाओ।
4. श्याम पिता जी **से** पढ़ता है।
5. पक्षी आकाश **में** उड़ रहे हैं।
6. बच्चों ने मम्मी-पापा **के लिए** उपहार खरीदा।
7. दिव्या **की** बहन बीमार है।
8. वह गाँव **में** चला गया।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में उचित परसर्ग लगाकर दोबारा सार्थक वाक्य लिखिए–

1. राम ने रमन से पुस्तक ली।
2. भिखारी को रोटी दे दो।
3. बाग में फूल खिल रहे हैं।
4. गरीबों को दान देना चाहिए।
5. शिवानी छत पर खेल रही है।

ङ. निम्नलिखित वाक्यों को उनके कारक से मिलाइए–

माता जी ने चाकू से फल काटे।	करण कारक	स्टेशन से गाड़ी चली गई।
गंगा हिमालय से निकलती है।	अपादान कारक	हम गाड़ी से आए।
राम साइकिल से गिर गया।		दूध को चम्मच से मिलाओ।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में उचित परसर्ग लगाकर दोबारा सार्थक वाक्य लिखिए–

1. कर्म कारक　　2. करण कारक　　3. अपादान कारक
4. संबोधन कारक　　5. अधिकरण कारक

स्वयं करें।

16. सर्वनाम

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. ''प्रभा ने अपने पिताजी को बुलाया।'' इस वाक्य में रंगीन शब्द का भेद है–
   (अ) पुरुषवाचाक सर्वनाम ☐　(ब) निजवाचक सर्वनाम [3]
   (स) संबंधवाचाक सर्वनाम ☐　(द) प्रश्नवाचक सर्वनाम ☐
2. सर्वनाम 'वह' का बहुवचन है–
   (अ) वे ☐　(ब) वह सब ☐
   (स) वे सब [3]　(द) वह दोनों ☐
3. 'कौन' सर्वनाम है–
   (अ) पुरुषवाचक ☐　(ब) प्रश्नवाचक [3]
   (स) अनिश्चयवाचक ☐　(द) संबंधवाचक ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्द संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं।
2. सर्वनाम के छः भेद होते हैं–
   1. पुरुषवाचक सर्वनाम　　2. निश्चयवाचक सर्वनाम
   3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम　　4. प्रश्नवाचक सर्वनाम
   5. संबंधवाचक सर्वनाम　　6. निजवाचक सर्वनाम
3. पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं–
   (क) उत्तम पुरुष सर्वनाम
   (ख) मध्यम पुरुष सर्वनाम
   (ग) अन्य पुरुष सर्वनाम

ग. उचित सर्वनाम की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. कल **मेरी** तबीयत ठीक नहीं थी।　　2. यह पुस्तक **कौन** लाया है।

3. अनुराग को बुला दो **उसे** घर भेजना है। 4. अध्यापक जी **एकवचन** पढ़ा रहे हैं।
5. ये पुस्तकें **मेरी** हैं।

घ. सर्वनाम के सही प्रयोग वाले वाक्यों के सामने (3) का निशान लगाइए–

1. मुझे कभी बताया ही नहीं। [3]
2. मैं मेरा काम कर लूँगा। [7]
3. दूध में क्या गिर गया? [3]
4. अपना काम स्वयं करो। [3]
5. मेरा पिताजी आए हैं। [7]

ङ. निम्नलिखित शब्दों का उचित सुमेल कीजिए–

1. हम	अ. प्रश्नवाचक
2. कुछ	ब. पुरुषवाचक
3. क्या	स. संबंधवाचक
4. जैसी	द. निश्चयवाचक
5. यह	य. अनिश्चयवाचक

च. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्द रेखांकित कीजिए और उनके भेद भी लिखिए–

सर्वनाम शब्द		भेद
1. हम बरसात में छाते का प्रयोग करते हैं।	–	**पुरुषवाचक सर्वनाम**
2. मेरी वह कार खराब है।	–	**निश्चयवाचक सर्वनाम**
3. लगता है, खाने में कुछ मिला है।	–	**अनिश्चयवाचक सर्वनाम**
4. तुम्हारे पास कौन-सा मोबाइल है?	–	**प्रश्नवाचक सर्वनाम**
5. अरे छोड़ो, मैं अपने आप कर लूँगी।	–	**निजवाचक सर्वनाम**

छ. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए–

1. मुझे एक फोन चाहिए। 2. मेरा नाम शेखर है।
3. तुम्हारा बस्ता वहाँ पड़ा है। 4. वे मेरे पिताजी हैं।
5. किसने काम नहीं किया?

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

17. विशेषण

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. आप अपने लिए कौन-सा विशेषण चुनेंगे?
   (अ) उदास [ ] (ब) समझदार [3] (स) टेढ़ा [ ] (द) शुद्ध [ ]
2. कोयला जलने पर हो जाता है–
   (अ) काला-कलूटा [ ] (ब) भड़कीला [ ]
   (स) गर्म और लाल [3] (द) शीतोष्ण [ ]

3. चादर के लिए कौन-सा विशेषण उपयुक्त नहीं है?

(अ) लंबी ☐ (ब) छोटी ☐ (स) मोटी ☐ (द) कठोर ☑ 3

4. महासागर होता है–

(अ) ऊँचा ☐ (ब) उथला ☐ (स) गहरा ☑ 3 (द) ठंडा ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता प्रकट करते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं। इसके चार भेद होते हैं।
2. विशेषण के भेदों के नाम– 1. गुणवाचक विशेषण, 2. परिमाणवाचक विशेषण, 3. संख्यावाचक विशेषण, 4. सार्वनामिक विशेषण
3. कभी-कभी हम विशेषण के साथ एक और विशेषण लगा देते हैं; जैसे– सुजाता ने बहुत सुंदर चित्र बनाया। मुझे कम मीठी चाय पसंद है। दिए गए वाक्यों में सुंदर और मीठी शब्द विशेषण हैं और 'बहुत' और 'कम' शब्द उसकी भी विशेषता बता रहे हैं। इन विशेषण शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द 'प्रविशेषण' कहलाते हैं; जैसे– मीठी चाय–विशेषण
   - मीठी चाय – विशेषण
   - यह पुराना रेडियो – विशेषण
   - कम मीठी चाय– प्रविशेषण
   - यह बहुत पुराना रेडियो – प्रविशेषण
4. तुलना की दृष्टि से विशेषणों की तीन अवस्थाएँ हैं–
   1. मूलावस्था 2. उत्तरावस्था 3. उत्तमावस्था।
   1. **मूलावस्था–** इसमें केवल एक व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान की विशेषता बताई जाती है।
   2. **उत्तरावस्था–** इसमें एक व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान को दूसरे व्यक्ति, वस्तु या स्थान से अधिक अथवा कम बताया जाता है; जैसे– अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान से अधिक प्रसिद्ध हैं।
   3. **उत्तमावस्था–** इसमें दो या दो से अधिक वस्तुओं, व्यक्तियों या स्थानों में तुलना करके एक को सबसे अधिक या सबसे कम बताया जाता है ; जैसे– अमिताभ बच्चन सबसे अधिक प्रसिद्ध हैं।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. आज हमारे **प्रिय** मित्र नहीं आए।
2. बाहर **तेज** हवा चल रही थी।
3. कक्षा में **कम** बच्चे थे।
4. तुम्हें **कितने** मजदूर चाहिए।
5. ताजमहल अत्यंत **सुंदर** भवन है।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से निश्चित तथा अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण छाँटकर लिखिए–

1. निश्चित परिमाणवाचक
2. अनिश्चित परिमाणवाचक
3. अनिश्चित परिमाणवाचक
4. अनिश्चित परिमाणवाचक
5. अनिश्चित परिमाणवाचक

ङ. निम्नलिखित विशेषणों की अवस्थाएँ पहचानकर उनके सामने लिखिए–

1. उत्तमावस्था
2. मूलावस्था
3. उत्तमावस्था
4. उत्तरावस्था
5. उत्तरावस्था
6. मूलावस्था

च. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए–

	शब्द		विशेषण		शब्द		विशेषण
1.	मैं	–	**मेरा**	4.	लालच	–	**लालची**
2.	बाहर	–	**बाहरी**	5.	इतिहास	–	**ऐतिहासिक**
3.	खेल	–	**खिलाड़ी**				

छ. प्रयुक्त विशेषण में उपयुक्त प्रविशेषण लगाकर वाक्यों को दोबारा लिखिए–

1. वह अधिक मूर्ख है।
2. यह चाकू अत्यधिक तेज है।
3. कमल अधिक बुद्धिमान है।
4. राणा प्रताप एक वीर पुरुष थे।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

18. क्रिया

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. किसी काम के करने अथवा होने का बोध कराने वाले पदों को क्रिया कहते हैं।
2. क्रिया के भेद दो आधार पर किए जाते हैं–
   1. कर्म के आधार पर
   2. संरचना के आधार पर
3. क्रिया के मूल रूप को 'धातु' कहते हैं। क्रिया के विविध रूप किसी न किसी धातु से ही बनते हैं। उदाहरण के लिए– 'लिखा, लिखूँगा, लिखे, लिखो आदि क्रियापद बनाए गए हैं।
4. **द्विकर्मक क्रिया–** जिस क्रिया के साथ दो कर्म हों, उसे 'द्विकर्मक क्रिया' कहते हैं। जैसे–
   1. माँ ने **बच्चे** को **खाना** खिलाया।
   2. सुरेन्द्र ने **महेश** को **खीर** खिलाई।
   3. माली ने **फूलों** में **पानी** डाला।
   4. शिक्षक ने **विद्यार्थी** को **पुस्तक** दी।
   5. नर्स **रोगी** को **दवा** पिलाती है।

ख. निम्नलिखित मूल धातुओं के उचित रूप बनाकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. मुझे पुस्तक **पढ़ना** अच्छा लगता है।
2. पेड़ पर तोता **बैठा** है।
3. दर्जी कपड़े **सिलता** है।
4. झरना **गिरता** है, नदी **बहती** है।
5. बच्चा भूख से **रोने** लगा।

19. काल

क. निम्नलिखित वाक्यों के सही काल पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. घंटी बजी–
   (अ) वर्तमान काल ☐ (ब) भूत काल [3]
   (स) भविष्यत् काल ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐
2. सभी बच्चे गाना गाएँगे–
   (अ) भूत काल ☐ (ब) वर्तमान काल ☐
   (स) भविष्यत् काल [3] (द) इनमें से कोई नहीं ☐

3. विभा खेल रही है–

(अ) वर्तमान काल ☒ (ब) भविष्यत् काल ☐

(स) भूत काल ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐

4. ट्रेन सात बजे चलेगी–

(अ) भूत काल ☐ (ब) भविष्यत् काल ☒

(स) वर्तमान काल ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. क्रिया के जिस रूप से समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं; जैसे–

• बच्चे खेल रहे हैं। • शिक्षक ने छात्रों को पढ़ाया।

2. काल के तीन भेद होते हैं– 1. भूत काल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल

3. वर्तमान काल – • सुरेश पुस्तक पढ़ रहा है। • महेश खाना खा रहा है।

भूत काल – • नेहा ने गीत गाया। • अमित ने साइकिल चलाई।

भविष्यत् काल – • बच्चे स्कूल जाएँगे। • वे कल दिल्ली जाएँगे।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. मेरी माताजी ने कल खीर **बनाई थी**।
2. यदि तुम मेरे घर आए तो मैं तुम्हें भी खाना **खिला दूँगा**।
3. अध्यापक जी ने हमें **पढ़ाया** कि पृथ्वी गोल **है**।
4. सभी **जानते** हैं कि राम महाराजा दशरथ के पुत्र **थे**।।

घ. वाक्यों को कोष्ठक में दिए गए निर्देश के अनुसार बदलकर लिखिए–

1. बच्चे पतंग उड़ाएँगे।
2. चींटिया चीनी ले जा रही हैं।
3. सारा दूध जल जाएगा।
4. सीमा ने चिट्ठी पढ़ी थी।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

20. वाच्य

क. सही उत्तर पर (३) का चिह्न लगाइए–

1. वाच्य के भेद हैं–

(अ) एक ☐ (ब) दो ☐ (स) तीन ☒ (द) चार ☐

2. 'बालक पढ़ता है'। कौन-सा वाच्य है?

(अ) भाव वाच्य ☐ (ब) कर्तृ वाच्य ☒

(स) कर्म वाच्य ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐

3. क्रिया का भाव बताने वाला वाच्य है–

(अ) कर्म वाच्य ☐ (ब) भाववाच्य ☒

(स) कर्तृ वाच्य ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. वाच्य क्रिया का वह रूप है, जिससे यह जाना जाता है कि क्रिया का मुख्य विषय कर्ता है, कर्म है या भाव है। वाक्य में जिसकी प्रधानता होती है, पुरुष, लिंग और वचन की क्रिया भी उसी के अनुसार होती है।
2. वाच्य के तीन भेद होते हैं–

   1. कर्तृ वाच्य 2. कर्म वाच्य 3. भाव वाच्य
3. **1. कर्तृ वाच्य–** जिस वाच्य में क्रिया के लिंग और वचन कर्ता के अनुसार हों, उसे 'कर्तृ वाच्य' कहा जाता है। अर्थात् जहाँ क्रिया का संबंध सीधा कर्ता के साथ हो, वहाँ 'कर्तृ वाच्य' होता है; जैसे–

   • 'हरीश' पत्र लिखता है। • 'सुनीता' चाय बनाती है। • 'मैं' चित्र खरीदता हूँ।

   2. कर्म वाच्य– जहाँ क्रिया का संबंध सीधा कर्म से हो, उसे कर्म वाच्य कहते हैं, अर्थात जहाँ क्रिया के लिंग और वचन कर्म के अनुसार हो, वहाँ 'कर्म वाच्य' होता है; जैसे–

   • महेश के द्वारा 'कपड़े' धोए जाते हैं। • कल्पना के द्वारा 'लीची' खाई जाती है।

   • मुझसे 'पत्र' लिखे जाते हैं।

   3. भाव वाच्य– भाव का अर्थ है– 'क्रिया का भाव' क्रिया के जिस रूप में न कर्ता की प्रधानता हो न कर्म की परंतु जहाँ क्रिया का भाव प्रधान हो, वहाँ 'भाव वाच्य' होता है; जैसे–

   • राकेश से नहाया जाता है। • इतने शोर में सोया नहीं जाता।

   • छात्रों से चला नहीं जाता।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. क्रिया का वह रूप जिससे यह जाना जाता है, कि क्रिया का मुख्य विषय कर्ता है, कर्म है या भाव है, **वाच्य** कहलाता है।
2. जहाँ क्रिया का संबंध सीधा कर्म से हो, उसे **कर्मवाच्य** कहते हैं।
3. जहाँ क्रिया के रूप में न कर्ता की प्रधानता होती है, न कर्म की, बल्कि क्रिया के भाव की प्रधानता होती है, वहाँ **भाव वाच्य** होता है।
4. जहाँ क्रिया के लिंग और वचन कर्ता के अनुसार हों, वहाँ **कर्तृ वाच्य** होता है।

घ. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (3) तथा गलत के सामने (7) का चिह्न लगाइए–

1. जहाँ क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष के रूप कर्म के अनुसार हों, उसे कर्म वाच्य कहते हैं। [3]
2. कार्यालयों की सूचनाओं और आदेशों में कर्म वाच्य का प्रयोग होता है। [3]
3. कर्तृ वाच्य में क्रिया का संबंध कर्ता से होता है। [3]
4. हिंदी में सामान्यतः कर्तृ वाच्य का ही प्रयोग होता है। [3]
5. कर्म वाच्य में अकर्मक क्रिया का प्रयोग किया जाता है। [7]

ङ. वाच्य परिवर्तन को सुमेलित कीजिए–

1. रमा भोजन पकाएगी।	अ. राम पुस्तक पढ़ता है।
2. राम ने पत्र लिखा।	ब. रमा द्वारा भोजन पकाया जाएगा।
3. राजू नहीं आता।	स. राम द्वारा पत्र लिखा गया।
4. राम से पुस्तक पढ़ी जाती है।	द. राजू से आया नहीं जाता।

च. निम्नलिखित वाक्यों में कर्तृ वाच्य को कर्म वाच्य में बदलिए–

1. दिनेश द्वारा बाजार जाया जाएगा।
2. नरेश द्वारा स्कूल जाया जा रहा है।
3. प्रवीण द्वारा स्कूल जाया जा रहा है।
4. लता द्वारा गाना गाया जा रहा है।
5. राजा द्वारा न्याय किया गया।
6. पक्षी द्वारा उड़ा जा रहा है।
7. राधा द्वारा खाना बनाया जा रहा है।

छ. निम्नलिखित वाक्यों में कर्तृ वाच्य को भाव वाच्य में बदलिए–

1. रमा से बैठा नहीं जाता।
2. उनसे नहीं जाया जाता।
3. घोड़े से दौड़ा नहीं जाता।
4. उससे पढ़ा नहीं जाता।
5. माया से हँसा नहीं जाता।
6. महेश से खेला जाता है।

ज. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त वाच्य को पहचानिए–

1. भाव वाच्य 2. भाव वाच्य 3. कर्तृ वाच्य 4. भाव वाच्य 5. कर्तृ वाच्य

स्वयं करें।

21. अव्यय शब्द

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. 'कल' व 'प्रतिदिन' शब्द हैं–
   (अ) स्थानवाचक क्रियाविशेषण ☐ (ब) कालवाचक क्रिया विशेषण [3]
   (स) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐
2. वाक्य में संज्ञा या सर्वनामों का वाक्य में प्रयुक्त दूसरे संज्ञा व सर्वनामों से संबंध जोड़ते हैं–
   (अ) समुच्चयबोधक ☐ (ब) संबंधबोधक [3]
   (स) विस्मयादिबोधक ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐
3. 'और','या', 'इसलिए' शब्द हैं–
   (अ) संबंधबोधक ☐ (ब) विस्मयादिबोधक ☐
   (स) समुच्चयबोधक [3] (द) इनमें से कोई नहीं ☐
4. 'वाह', 'शाबाश', 'हाय', 'छिः' शब्द हैं–
   (अ) विस्मयादिबोधक [3] (ब) समुच्चयबोधक ☐
   (स) संबंधबोधक ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. अव्यय का अर्थ है– जिसका व्यय न हो अर्थात् जिसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न हो। इस दृष्टि से अव्यय वे शब्द हैं, जिनमें लिंग, वचन, काल, कारक आदि के प्रभाव से कोई विकार उत्पन्न नहीं होता, उन्हें 'अविकारी शब्द' भी कहते हैं।
2. जो शब्द क्रिया के होने के काल, स्थान, परिमाण तथा रीति संबंधी विशेषता बताते हैं, वे 'क्रियाविशेषण' कहलाते है; जैसे–

   • अचानक वर्षा होने लगी • रवि धीर-धीरे बोलता है • सब्जी वाला उधर चला गया।

   उपर्युक्त वाक्यों में 'अचानक', 'धीरे-धीरे' तथा 'उधर' शब्द हमें बता रहे हैं कि क्रिया कैसे, कितनी और कहाँ हुई?

   दूसरे शब्दों में ये शब्द क्रिया की विशेषता प्रकट कर रहे हैं, इसलिए ये शब्द 'क्रियाविशेषण' है।
3. **कालवाचक क्रियाविशेषण–** जिन क्रियाविशेषण शब्दों से कार्य के होने के समय का बोध हो, वे शब्द 'कालवाचक क्रियाविशेषण' कहलाते हैं।

   • तुम 'अभी' आए हो। • 'शीघ्र' बादल घिर आए। • मैं 'कल' दिल्ली आऊँगा।

   रीतिवाचक क्रियाविशेषण– जिन क्रियाविशेषण शब्दों से कार्य के होने की रीति अर्थात् ढंग का बोध हो, वे शब्द 'रीतिवाचक क्रियाविशेषण' कहलाते हैं।

   • 'धीरे-धीरे' मत चलो। • 'झटपट' तैयार हो जाओ।

   • समाचार-पत्र 'धड़ाधड़' छप रहे हैं।
4. जो अव्यय शब्द संज्ञा या सर्वनाम के साथ आकर उनका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से बताते हैं, उसे 'संबंधबोधक' अव्यय कहते है; जैसे–

   • घर 'के आगे' कूड़ा है। • किसान पेड़ 'के नीचे' बैठा है। • छत 'के ऊपर' बिल्ली बैठी है।
5. जो शब्द दो शब्दों, दो वाक्यांशों या दो वाक्यों को आपस में जोड़ते हैं, वे 'समुच्चयबोधक अव्यय' कहलाते हैं; जैसे–

   • रेणू 'और' अंजलि कैरम खेल रही हैं। • वह तेज दौड़ा 'परंतु' हार गया।
6. समुच्चयबोधक अव्यय तीन प्रकार के होते हैं–

   1. संयोजक 2. विभाजक 3. विकल्पसूचक।

7 जिन शब्दों से हर्ष, आश्चर्य, प्रशंसा, भय, घृणा, शोक, चेतावनी, संबोधन आदि भाव प्रकट हों, वे अव्यय 'विस्मयादिबोधक अव्यय' कहलाते हैं; जैसे–

   • 'वाह!' कितना सुंदर दृश्य है। • 'शाबाश!' तुम तो कक्षा में प्रथम आए हो।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाविशेषण छाँटिए–

1. इधर-उधर	2. बाजार	3. परसों	4. एकाएक
5. उतना	6. धीरे	7. बाहर	8. थोड़ा

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से संबंधबोधक छाँटिए–

1. के सहारे	2. की ओर	3. के भीतर	4. उसके बिना
5. के सामने	6. के पीछे	7. वर्षों तक	

ङ. समुच्चयबोधक अव्यय का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए–

1. वह परीक्षा नहीं दे सका, **क्योकि** वह बीमार था।
2. रोहित छोटा है, **परन्तु** साहसी है।
3. मैंने उससे कुछ लिया नहीं, **अपितु** दिया ही है।
4. राम **और** किशन मित्र हैं।
5. जीवन में आनंद चाहते हो, **तो** प्रसन्न रहो।
6. चाय पियोगे **या** कॉफी।
7. उसने बताया **कि** वह बाज़ार जा रहा है।
8. नमन ने परिश्रम नहीं किया था **इसलिए** अनुत्तीर्ण हो गया।

च. विस्मयादिबोधक शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. **हे राम**! कितनी सर्दी पड़ रही है।
2. **हाय** ! जालिम ने उसे मार डाला।
3. **हट** ! मेरे सामने से दूर हो जा।
4. **शाबाश**! तुमने तो कमाल कर दिया।
5. **अरे** ! यह तो पीछे पड़ गया।
6. **छीःछी** ! कितनी बदबू है।
7. **अच्छा** ! आप आ गए।
8. **वाह**! भारत मैच जीत गया।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

22. वाक्य

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. अर्थ के आधार पर यह वाक्य भेद नहीं है–
   (अ) निषेधार्थक ☐ (ब) संकेतार्थक ☐ (स) सरल ☒ (द) आज्ञार्थक ☐
2. रचना के आधार पर यह वाक्य भेद नहीं हैं–
   (अ) संयुक्त ☐ (ब) सरल ☐ (स) विधानार्थक ☒ (द) मिश्र ☐
3. काश! ठंडी हवा चल जाती है। वाक्य है–
   (अ) विधानार्थक ☐ (ब) संकेतार्थक ☐ (स) आज्ञार्थक ☐ (द) इच्छार्थक ☒
4. अँधेरे में मुझे दिखाई नहीं दिया। वाक्य है–
   (अ) विधानार्थक ☒ (ब) आज्ञार्थक ☐ (स) निषेधार्थक ☐ (द) संकेतार्थक ☐
5. शायद, आज ताऊ जी आ जाएँ। वाक्य है–
   (अ) संकेतार्थक ☐ (ब) प्रश्नार्थक ☐ (स) इच्छार्थक ☐ (द) संदेहार्थक ☒

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. शब्दों का सार्थक समूह 'वाक्य' कहलाता है।
2. वाक्य के दो अंग होते हैं– 1. उद्देश्य 2. विधेय।
3. वाक्य के दो भेद होते हैं– 1. रचना के आधार पर 2. अर्थ के आधार पर

4. उद्देश्य और विधेय में निम्न अंतर है–

उद्देश्य– वाक्य में जिसके विषय में कुछ कहा जाता है, वह 'उद्देश्य' कहलाता है। यानी कर्ता ही उद्देश्य होता है। 'कर्ता के विशेषण भी' उद्देश्य के अंतर्गत आते हैं; जैसे–

'छोटू के पापा ने' अवलोकन जारी रखा। (उद्देश्य)

'सोनिया' कुछ देर तक वहीं रही। (उद्देश्य)

विधेय– उद्देश्य यानी कर्ता के विषय में जो कुछ कहा जाता है, वह 'विधेय' कहलाता है। कर्म, कर्म के विशेषण, क्रिया तथा 'क्रियाविशेषण' आदि इसके अंतर्गत आते हैं; जैसे–

गाँधीजी को — 'बच्चों से बहुत प्रेम था।'

(उद्देश्य) — (विधेय)

छोटू के पापा ने — 'अपना संदेह प्रकट किया।'

(उद्देश्य) — (विधेय)।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. शब्दों का **सार्थक** समूह वाक्य कहलाता है।
2. जब शब्द वाक्यों में प्रयोग किए जाते हैं, तब वे **पद** कहलाते हैं।
3. वाक्य के **दो** भाग होते हैं **रचना** तथा **अर्थ**।
4. कर्ता के **विशेषण** भी उद्देश्य के अंतर्गत आते हैं।
5. कर्म, **कर्म के विशेषण** क्रिया तथा **क्रिया विशेषण** विधेय के अंतर्गत आते हैं।

घ. उद्देश्य को उचित विस्तार दीजिए–

1. **महेश का** मित्र आ रहा है।
2. **सुरेश का मित्र** दीपचंद मूर्ख है।
3. **पढ़ने में** सुदर्शन मुझसे ज्यादा होशियार है।
4. **मेरा** भाई मुझसे प्रेम करता है।
5. **वह** आदमी दिल्ली गया।

ङ. विधेय को उचित विस्तार दीजिए–

1. रमेश **पुस्तक** पढ़ता है।
2. राखी **गीत** गा रही है।
3. बादल **जोर से** गरज रहे हैं।
4. तीन दिन से **बारिश का** पानी बरस रहा है।
5. तुम यहाँ से **शीघ्र** चले जाओ।

च. दिए गए वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटकर लिखिए–

1. **उद्देश्य–** फुरकान — **विधेय –** ईदगाह से चिमटा लाया।
2. **उद्देश्य–** नेता जी ने — **विधेय –** लंबा-सा भाषण दिया।
3. **उद्देश्य–** पड़ोसियों ने — **विधेय –** ठंड़ा पानी पिलाया।
4. **उद्देश्य–** चिड़िया — **विधेय –** शोर मचा रही है।
5. **उद्देश्य–** किसान — **विधेय –** हल चला रहा था।

छ. सही वाक्य भेद पर घेरा लगाइए–

1. उसने मेहनत नहीं की। (सरल/मिश्र)
2. स्वीटी स्कूल नहीं गई क्योंकि वह अस्वस्थ थी। (संयुक्त / मिश्र)
3. हर्षित ने कपड़े पहने और नाश्ता किया। (संयुक्त/ सरल)
4. माँ ने पूछा कि तुम कहाँ गए थे। (संयुक्त / मिश्र)
5. दादी मंदिर जाती है और मन लगाकर पूजा करती है। (सरल/ संयुक्त)

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

23. विराम चिह्न

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. विराम का अर्थ है–
   (अ) चलना ☐ (ब) रुकना [3]
   (स) भागना ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐
2. प्रश्नसूचक वाक्यों में कौन-सा चिह्न प्रयुक्त होता है–
   (अ) ? [3] (ब) ! ☐ (स) , ☐ (द) ; ☐
3. समुच्चयबोधक से पहले प्रयुक्त होता है–
   (अ) अर्द्ध विराम ☐ (ब) अल्पविराम [3] (स) पूर्ण विराम ☐ (द) उद्धरण चिह्न ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. हिंदी भाषा को लिखते समय विश्राम/रुकने की प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें 'विराम चिह्न' कहा जाता है।
2. भाषा तथा व्याकरण में विराम चिह्न का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इनके प्रयोग से भाषा के अर्थ में स्पष्टता आती है। इन चिह्नों का स्थान परिवर्तन करने से वाक्य का अर्थ ही बदल जाता है; जैसे– • छोड़ो, मत खाओ। • छोड़ो मत, खाओ।
3. प्रश्नवाचक चिह्न वाले पाँच वाक्य निम्न हैं–
   1. आपका क्या नाम है? 2. आप कहाँ के रहने वाले है?
   3. आपको क्या खाना पसंद है? 4. आप कल कहाँ गए थे?
   5. आपकी घड़ी कहाँ है?

ग. निम्नलिखित चिह्नों को पहचानकर उसका नाम लिखिए–

1.	(०)	**लाघव चिह्न**	5.	(“ ”)	**उद्धरण चिह्न**
2.	(!)	**विस्मयादिबोधक चिह्न**	6.	[( )]	**कोष्ठक**
3.	(;)	**अर्द्धविराम**	7.	(।)	**पूर्ण विराम**
4.	(?)	**प्रश्न चिह्न**	8.	(–)	**निर्देशक चिह्न**

घ. निम्नलिखित में उचित चिह्न लगाइए–

1. कोट उतार डाला और किसान के पास जाकर बोला, ''मैं तुम्हारी गाड़ी निकाल दूँ।''
2. युवक ने हँसकर कहा– ''अब मुझे कुछ इनाम देते हो या मैं जाऊँ।''
3. ''अच्छा, तुम गाड़ी पर जाकर बैलों को साधो, मैं पहियों को धकेलता हूँ, अभी गाड़ी ऊपर चढ़ जाएगी।''
4. तिरुक्कुरल तीन खंडों में विभक्त है– धर्म, अर्थ और काम।
5. पति-पत्नी का एक दूसरे के प्रति प्रेम, निष्ठा और सहयोग भाव के साथ-साथ ईश्वर भक्ति में अनुरक्ति देखकर संन्यासी के मन से नारी जाति के प्रति दुर्भावना जाती रही।

ङ. उचित शब्दों का सुमेल कीजिए–

1. योजक चिह्न	अ. (;)
2. अर्द्ध विराम	ब. (।)
3. अल्प विराम	स. (–)
4. पूर्ण विराम	द. [()]
5. कोष्ठक चिह्न	य. (,)

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

24. मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ

क. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

1. अपना उल्लू सीधा करना– **विराज ने सुरेश से पैसा लेकर अपना उल्लू सीधा किया।**
2. आपे से बाहर होना– **सामान बिखरा हुआ देखकर महेश आपे से बाहर हो गया।**
3. नौ दो ग्यारह होना– **पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गए।**
4. हाथ मलना–**चोर हथकड़ी तोड़कर भाग गया और पुलिस हाथ मलती रह गयी।**
5. दाल न गलना– **अध्यापिका के आगे चतुर नवीन की दाल नहीं गली।**

ख. निम्नलिखित अधूरे मुहावरों और लोकोक्तियों को पूरा कीजिए–

1. लकीर का **फकीर**
2. आग में **घी डालना**
3. कोल्हू का **बैल**
4. गिरगिट **की तरह रंग बदलना**
5. कंगाली में **आटा गीला**
6. दूध का दूध **पानी का पानी**
7. एक मछली **सारे तालाब को गन्दा कर देती है।**
8. बंदर क्या **जाने अदरक का स्वाद**

ङ. **उचित शब्दों का सुमेल कीजिए–**

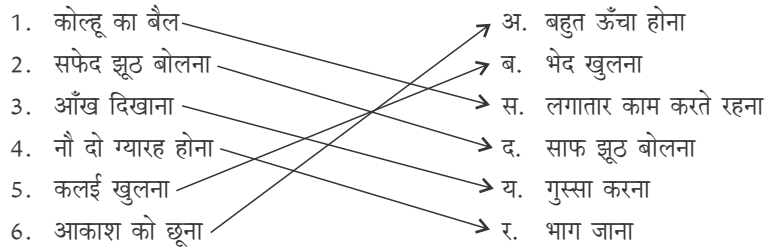

ङ. **निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए–**

1. कंगाली में आटा गीला – **मुसीबत में और मुसीबत आना।**
2. छोटा मुँह बड़ी बात – **योग्यता से बढ़कर बात करना।**
3. नाच न जाने आँगन टेढ़ा – **अपनी गलती के लिए दूसरों को दोष देना।**
4. आ बैल मुझे मार – **मुसीबत को स्वयं बुलाना।**
5. थोथा चना बाजे घना – **गुण कम दिखावा अधिक।**
6. हाथ कंगन को आरसी क्या – **प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं।**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

25. अपठित गद्यांश

स्वयं कीजिए।

26. अनुच्छेद लेखन

स्वयं कीजिए।

27. पत्र लेखन

स्वयं कीजिए।

28. कहानी लेखन

स्वयं कीजिए।

29. निबंध लेखन

स्वयं कीजिए।